# सुन सुन रे मारी काया ये रंगीली भजन लिरिक्स

सुन सुन रे मारी काया ये रंगीली,
कुसंगत में जावे मत ना,
आत्मा के दाग लगावे मत ना।bd।

---

रामजी बनायो थाने सोना बरणी,
सोना को पीतल बनावे मत ना,
आत्मा के दाग लगावे मत ना।bd।

---

राम जी बनाया थाने हीरा बरणी,
हीरा को काकरो बनावे मत ना,
आत्मा के दाग लगावे मत ना।bd।

---

रामजी बनायो थाने कोयल बरनी,
कोयल को कागलो बनावे मत ना,
आत्मा के दाग लगावे मत ना।bd।

---

सुन सुन रे मारी काया ये रंगीली,
कुसंगत में जावे मत ना,
आत्मा के दाग लगावे मत ना।bd।

प्रेषक – शेरा लाखेरी बूंदी
**88 900 68460**

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com